O. P. JINDAL SCHOOL, RAIGARH (CG) 496 001, INDIA

Phone: 07762-227042, 227293, (Extn. 227001 - 49801, 02, 04, 06, 09); Fax: 07762-262613; website: www.opjsrgh.in; e-mail: opjsraigarh@jspl.com

समय– 3 घंटे | आदर्श प्रश्न पत्र | अधिकतम अंक– 80

विषय–हिंदी (कक्षा. नवमीं)

खंड– क (अपठित बोध)

प्रश्न.1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 8

कपड़े बदलते हुए मेरी जेब से एक रूपया गिरा। वह पहिए की तरह चलता हुआ मेरे पैर के पास आकर ऐसे खड़ा हो गया मानो कोई सेवक स्वामी के पास आकर खड़ा होता है, उसने कहा मैं रूपया हूँ। दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति हूँ। इस पर भी दुनिया वाले मुझे हाथ का मैल समझते हैं पर जब मैं उनसे मुख मोड़ लेता हूँ तो पीछे भागते हैं। भगवान का द्वार खटखटाते हैं, पूजा पाठ करवाते हैं। बाबू जी, मैं तो पृथ्वी माता की संतान हूँ। वर्षों तक मैं उसकी गोद में सुख चैन की नींद सोता रहा। आपकी तरह मेरा भी परिवार था। मजदूरी और मशीनों की सहायता से जब मेरा घर खोदा जाने लगा उस समय मेरी समस्त जाति को बाहर निकालकर फेंका जाने लगा।

कैदियों की तरह बंद गाड़ियों में डालकर लाया गया। कई प्रकार के रसायनों से साफ की गई पीड़ा को भी सहना पड़ा। हमारे इस नये रूप ने इस पीड़ा को भूला दिया। अपनी चमक–दमक में मैं स्वयं ही मोहित हो उठा।

लोग मुझे चाँदी के नाम से पुकारने लगे। भाग्य में अभी और भी कष्ट लिखे थे। हमें टकसाल में ले जाया लगा। वहाँ भी मर्मांतक पीड़ा सहन करने के बाद जो नया रूप हमें मिला, वह बड़ा ही आकर्षक था। चमकती हुई गोलदार देह अपनी मुग्धकारी झंकार के साथ सबको मोहित कर लेने के लिए काफी थी। उसी समय आप सभी हमें रूपए के नाम से संबोधित करने लगे।

(1) पृथ्वी की संतान किसे कहा गया है? उसने अपनी उत्पत्ति की कहानी किससे बताई?
(2) दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति किसे तथा क्यों कहा गया है?
(3) रूपए की पीड़ा को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।
(4) रूपया के मुख मोड़ लेने के बाद लोग क्या–क्या करते हैं तथा क्यों?
(5) उपर्युक्त गद्यांश किस शैली में लिखा गया है? इसमें किसकी कथा कही गई है?

प्रश्न.2 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 7

अब न गहरी नींद में तुम सो सकोगे,
गीत गाकर मैं जगाने आ रहा हूँ
अतल अस्ताचल तुम्हें जाने न दूँगा,
अरूण उदयाचल सजाने आ रहा हूँ।

कल्पना में आज तक उड़ते रहे तुम,
साधना से सिहरकर मुड़ते रहे तुम।
अब तुम्हें आकाश में उड़ने न दूँगा,
तुम्हें धरती पर बसाने आ रहा हूँ।

देखकर मझधार को घबरा न जाना,
हाथ ले पतवार को घबरा न जाना।
अब किनारे पर तुम्हें थकने न दूँगा,
पार मैं तुमको लगाने आ रहा हूँ।

तुम उठो, धरती उठे, सिर उठाए,
तुम चलो गति में नई गति झनझनाए।
विपथ होकर मैं तुम्हें मुड़ने न दूँगा,
प्रगति के पथ पर बढ़ाने आ रहा हूँ।

(1) उदयाचल और अस्ताचल से क्या अभिप्राय है? 2

इनका संबंध किन दशाओं से है?

(2) 'आकाश में उड़ना' का आशय स्पष्ट कीजिए। 2

(3) काव्यांश में कवि क्या आग्रह कर रहा है? 2

(4) उपर्युक्त पंक्तियों में कवि क्या व्यक्त करना चाहता है? 2

(5) काव्यांश का उपर्युक्त शीर्षक दीजिए। 2

खंड– ख (अपठित बोध)

प्रश्न.3 (अ) निर्देशानुसार उत्तर दीजिए– 4

(1) 'अप्रसन्नता' शब्द में प्रयुक्त मूल शब्द लिखिए।

(2) 'बेईमान' शब्द में कौन सा उपसर्ग प्रयुक्त है?

(3) 'लुभावना' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय लिखिए।

(4) 'दान' प्रत्यय से बने दो शब्द लिखिए।

(ब) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कर समास का नाम लिखिए– 3

(1) महादेव

(2) दशानन

(3) हर रोज

प्रश्न.4 (अ) अर्थ के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों को पहचान कर उनके भेद लिखिए। 4

(1) मैं पढ़ रहा हूँ।

(2) कितना सुंदर फूल है!

(ब) निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए।

(1) विकास किताब पढ़ता है। (संकेतवाचक)

(2) सविता किताब पढ़ती है। (संदेहवाचक)

प्रश्न.5 निम्नलिखित पद्यांशो में प्रयुक्त अलंकारों की पहचान कर उनके नाम लिखिए– 4

(1) चरण कमल बंदौ हरिराई

(2) 'मेघ आए बड़े बन ठन के सँवर के'

(3) निर्धन के धन सी तुम आई

(4) 'अंबर में तारे मानो मोती अनगन हैं।

खंड– ग (पाठ्य पुस्तक)

प्रश्न.6 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 5

मुझे नहीं लगता, कोई इस सोए हुए पक्षी को जगाना चाहेगा। वर्षों पूर्व, खुद सालिम अली ने कहा था कि लोग पक्षियों को आदमी की नजर से देखना चाहते हैं। यह उनकी भूल है, ठीक उसी तरह, जैसे जंगलों और पहाड़ों , झरनों और आबशारों को वो प्रकृति की नजर से नहीं, आदमी की नजर से देखने के लिए उत्सुक रहते हैं। भला कोई आदमी अपने कानों से पक्षियों की आवाज का मधुर संगीत सुनकर अपने भीतर रोमांच का सोता फूटता महसूस करता है?

(1) गद्यांश में सोया हुआ पक्षी किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

(2) सालिम अली ने लोगों की जिस भूल की ओर ध्यान आकृष्ट किया है? जंगलो पहाड़ों ओर झरनों को वे किस नजर से देखने को उचित मानते हैं?

(3) 'आबशार' से क्या अभिप्राय है?

प्रश्न.7 निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए– 8

(1) मूक प्राणी भी कम संवेदनशील नहीं होते। पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(2) लड़कियों के जन्म के संबंध में आज कैसी परिस्थितियाँ हैं?

(3) सर टामस 'हे' के मैना पर दयाभाव के क्या कारण थे?

(4) 'वो लॉरेंस की तरह, नैसर्गिक जिंदगी का प्रतिरूप बन गए थे' पंक्ति का आशय स्पष्ट करें।

प्रश्न.8 निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नोंके उत्तर संक्षेप में लिखें। 5

बालू के साँपों से अंकित
गंगा की सतरंगी रेती
सुंदर लगती सरपत छाई

तट पर तरबूजों की खेती,
अँगुली की कँघी से बगुले
कलगी सँवारते हैं कोई,
तिरते जल में सुरखाब, पुलिन पर
मगरौठी रहती सोई!

(1) गंगा की रेत के सौन्दर्य का वर्णन कीजिए।
(2) काव्यांश में वर्णित पक्षियों के नाम तथा उनकी क्रियाओं का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
(3) 'सरपत' से क्या अभिप्राय है?

प्रश्न.9 निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए– 8

(1) कवि रसखान का ब्रज के बाग, तड़ाग और वन को निहारने के पीछे क्या कारण है?
(2) 'कैदी और कोकिला' पाठ में कवि ने कोयल को बावली क्यों कहा है?
(3) अरहर और सनई के खेत कवि को कैसे दिखाई देते हैं?
(4) मेघ के आने की तुलना पाहुन से क्यों की गई है?

प्रश्न.10 'हमारे देश में आजादी की जंग लड़ने वाले ही अंग्रेजों के सबसे बड़े प्रशंसक थे, गांधी, नेहरू हों या मेरे पिता जी के घरवाले।' उपर्युक्त कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं? 4

खंड– घ (लेखन)

प्रश्न.11 दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए– 10

(1) शहरीकरण का दुष्प्रभाव
- भूमिका
- शहरों की रचना
- जनसंख्या का दबाव
- भौतिकता का बढ़ता प्रभाव
- वाहन एवं उद्योगों के कारण बढ़ता प्रदूषण
- डपसंहार

(2) विज्ञापन की दुनिया
- भूमिका
- विज्ञापनों का उद्देश्य
- प्रभाव
- विज्ञापनों से लाभ–हानि
- उपसंहार

(3) शिक्षक दिवस पर मेरी भूमिका
- भूमिका क्या थी
- कैसे निभाई
- प्रभाव और परिणाम

प्रश्न.12 छात्रावास में रहकर पढ़ने वाले पुत्र या पुत्री की ओर से उसकी पढ़ाई के लिए चिंतित माँ को पत्र लिखिए कि वे एकाग्र –चित्त होकर पढ़ाई कर रहे हैं। 5

प्रश्न.13 वस्तुओं की निरंतर बढ़ती महँगाई की चिंता को लेकर दो लड़कियों में संवाद लिखिए। 5

****